

## Inhalt

|   |     |
|---|-----|
| Inka Wajsbort: Jüdische Jugend damals.....              | 9   |
| Erhard Roy Wiehn: Mädchenerinnerungen.....              | 11  |
| <b>Inka Wajsbort: Im Angesicht des Todes</b> .....      | 13  |
| <i>I. Noch zu Hause (1939-1943)</i> .....               | 15  |
| 1. Die erste Zeit im Ghetto.....                        | 15  |
| 2. Neues in meinem Leben.....                           | 28  |
| 3. Zawiercie deutschbesetzt.....                        | 68  |
| <i>//. Wie ein gehetztes Tier (1943-1944)</i> .....     | 95  |
| 1. Knapp entkommen.....                                 | 95  |
| 2. Gute Menschen.....                                   | 102 |
| 3. Als Janina Cygan.....                                | 112 |
| 4. In Lebensgefahr.....                                 | 133 |
| <i>III. Im Angesicht des Todes (1944-1945)</i> .....    | 143 |
| 1. Tief im Unglück.....                                 | 143 |
| 2. Die perfekte Hölle.....                              | 159 |
| 3. Auf Todesmarsch.....                                 | 188 |
| 4. Wieder Mensch sein.....                              | 192 |
| <i>IV. Die Befreiung (1945)</i> .....                   | 207 |
| Epilog.....   | 215 |
| Inka Wajsbort: Namen-Glossar.....                       | 217 |
| James Stuart Brice: Personen- und Begriffs-Glossar..... | 223 |
| Ausgewählte Literatur.....                              | 232 |
| Dr. med. Inka Wajsbort.....                             | 235 |
| Übersetzer und Herausgeber.....                         | 236 |